

## **BSL-2 plus laboratory for emerging pathogens at ICMR-RMRC Gorakhpur was inaugurated by Shri Yogi Adityanath, Hon'ble Chief Minister of UP on 6<sup>th</sup> July, 2020**

Shri Yogi Adityanath, Hon'ble CM of UP inaugurated the newly established BSL-2 facility for emerging pathogens including COVID-19 at ICMR-RMRC, Gorakhpur on 6<sup>th</sup> July, 2020. He also reviewed the ongoing TB prevalence Survey in Eastern UP and appreciated the mobile lab cum bus fitted with X-ray, CBNATT with wifi facility being used for the Survey. Hon'ble CM also appreciated the ongoing construction of new building of RMRC and suggested for its early completion.



### **BSL-2 Plus laboratory set up at ICMR- RMRC has following Instruments and specifications:**

This Laboratory has two type-A2 bio-safety cabinets suitable for handling the Risk Group 2 & 3 pathogens including Covid-19 virus. These bio-containment workstation features inward airflow for personnel protection. Airflow pattern is designed for 30% exhaust through specially designed ducts to ambient and remaining 70% is re-circulated through HEPA filters. These Bio-safety cabinets meet the basic requirements for design, construction and performance to provide personnel, product and environmental protection in accordance with NSF (National Sanitation Foundation) #49 Standards. All HEPA

filters in these cabinets are anti-microbial and reactive against bacteria, fungi, viruses, and related bio-entities with EU 14 grade with an efficiency of 99.99% and in compliance with ISO Class 4.8 /Class 5 conditions per ISO 14644-1 and -2 (formerly Class 100).

This laboratory is established in 14”x19” area with attached 5”x19” changing room. The laboratory is equipped with HVAC modules for negative pressure in laboratory. The laboratory has a pass boxes with UV light for transport of samples and infectious material. The entry and exit doors are having pre-filters for entry of fresh airs in the laboratory. Each Bio-safety cabinets are also having electrical back-up for 20-30 minutes.

The negative pressure in the laboratory is helpful to provide personnel, product and environmental protection. The sample processing will speed-up due to this laboratory which ultimately enhances the testing capacity of COVID-19 samples in our institute.





ICMR-RMRC Team involved in COVID-19 Testing



CM Yogi Adityanath visiting ICMR-RMRC Laboratory



HON'ble CM, Shri Yogi Adityanath discussing about progress of new building



CM Shri Yogi Adityanath having a discussion on Gandhi and Health



Glimpses of CM, Yogiaditynath Visit to ICMR-RMRC, Gorakhpur and reviewing the TB Prevalence Survey and Mobile lab fitted with X-Ray and Gene-Xpert



# आरएमआरसी की बीएसएल-टू प्लस प्रयोगशाला का सीएम ने किया उद्घाटन

अमर उजाला व्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरएमआरसी की बीएसएल-टू प्लस प्रयोगशाला का उद्घाटन सोमवार को किया। इस मौके पर आरएमआरसी के निदेशक डॉ. रजनीकान्त ने मुख्यमंत्री को फूल देकर स्वागत किया। इस बीच मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय टीबी प्रीविलेंस प्रोग्राम बस का निरीक्षण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बस के जरिए टीबी को जांच गांवों में जा कर भी की जा सकती है। बस में सीबीनेट मशीन, एक्स-रे एवं बल्लम जांच को सुविधा है। बताया कि आरएमआरसी को पूर्वी उत्तर प्रदेश के 23 जिलों में टीबी सर्वे को

टीबी प्रीविलेंस प्रोग्राम के तहत आधुनिक बस का निरीक्षण भी किया

आरएमआरसी अब तक कोरोना के 33 हजार से अधिक नमूनों की कर चुका है जांच



प्रीता काटकर सीएम ने लैब का उद्घाटन किया। अमर उजाला

विमोदारी मिली है। इसमें पांच जिले का कार्य पूरा भी किया जा चुका है। इसके बाद उन्नीस आरएमआरसी के

**23** जिलों में टीबी सर्वे की आरएमआरसी की मिली है विमोदारी

निर्माणधीन नए भवन को भी देखा। दूसरे तल पर बने नए बायोसेफ्टी लैब टू प्लस का फोटा काटकर उद्घाटन किया। लैब में मौजूद सुविधाओं का जायजा लिया। कहा कि लैब के निर्माण से कोविड-19 की जांच क्षमता बढ़ जाएगी और समय की भी बचत होगी। आरएमआरसी द्वारा इस प्रकार की पहली लैब गोरखपुर में

तैयार की गई है। बता दें कि पूर्वांचल में आरएमआरसी गोरखपुर ने ही सबसे पहले कोविड-19 की जांच शुरू की थी। अब तक 33,000 से भी ज्यादा नमूनों की जांच की जा चुकी है। इस दौरान निदेशक डॉ. रजनीकान्त ने 'गांधी और स्वास्थ्य पुस्तक' मुख्यमंत्री को भेंट में दी। इस अवसर पर संस्थान के सैनियर साइटिस्ट डॉ. अशोक कुमार पांडेय, राजीव, डॉ. गौरव, डॉ. कामरन, हीरावती त्रिज, बहेरा आदि मौजूद रहे।

## बढ़ेगी कोरोना जांच की कैपसिटी

बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्थित आरएमआरसी लैब में सीएम ने बढ़ते कोरोना केसेज के मद्देनजर बीएसएल-2 प्लस लैब का उद्घाटन किया। जिसके बाद अब सीप्लस की जांच में और भी कम समय लगेगा। इस मौके पर निदेशक डॉ. रजनीकान्त ने



सीएम को फूल देकर स्वागत किया। सीएम ने राष्ट्रीय टीबी प्रीविलेंस प्रोग्राम बस का भी निरीक्षण किया, जिसमें टीबी जांच की सुविधा गांव में जाकर भी दी जा सकती है। बस में सीबीनेट, एक्स-रे एवं बल्लम जांच की लैब की सुविधा उपलब्ध है। आरएमआरसी गोरखपुर को पूर्वी उत्तर प्रदेश के 23 जिलों की टीबी सर्वे का जम्मेदारी मिली है, जिसमें पांच जिलों का कार्य पूरा भी किया जा चुका है। इस दौरान सीएम ने आरएमआरसी के निर्माणधीन नए भवन को भी देखा। उसके बाद सीएम ने सेंकेड फ्लोर पर बने नए बायोसेफ्टी लैब-2 प्लस का फोटा काट कर उद्घाटन किया। इस लैब के निर्माण से कोविड-19 की जांच क्षमता बढ़ जाएगी और समय की भी बचत होगी। इस प्रकार की आरएमआरसी द्वारा यह पहली लैब गोरखपुर में तैयार की गई है। अब तक 33,000 से भी ज्यादा सैपल जांचे जा चुके हैं। वहीं निदेशक डॉ. रजनीकान्त ने गांधी और स्वास्थ्य पुस्तक सीएम को भेंट में दी।

गर्ष ने र से रव से दस का मिः ईव अ ग कि कां मीं सी रव दा एर एर उमे मीः खु शेर कां का बा दसः शां उत

## आरएमआरसी की प्रयोगशाला का किया उद्घाटन



मेडिकल कॉलेज परिसर में आरएमआरसी के बीएसएल-टू प्लस प्रयोगशाला का सोमवार को उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • लोकस्य सूचना विभाग



गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री से मुलाक़ात करने पत्नी पम्प की निदेशक प्रो. सुरेखा केशवरी (दाएं) व (बाएं) सैनिटार करणोत प्रसाद • लोकस्य सूचना विभाग

जस, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज परिसर में रोजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर (आरएमआरसी) के बीएसएल-टू प्लस प्रयोगशाला का सोमवार को उद्घाटन किया। लैब में मौजूद सुविधाओं की जानकारी ली। सीएम ने राष्ट्रीय टीबी प्रीविलेंस प्रोग्राम बस का निरीक्षण भी किया।

### बढ़ी क्षमता

• टीबी प्रीविलेंस प्रोग्राम की आधुनिक बस का किया निरीक्षण

• लैब के शुरू हो जाने के बाद मिलने वाले फायदे घर की चर्चा

चुका है। सीएम ने आरएमआरसी के निर्माणधीन भवन को भी देखा। लैब के फायदे की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इससे कोविड-19 की जांच क्षमता बढ़ जाएगी और समय की भी बचत होगी। आरएमआरसी की यह पहली लैब गोरखपुर में तैयार की गई है। गौरतलब है कि पूर्वांचल में आरएमआरसी गोरखपुर ने ही सबसे पहले कोविड-19 की जांच की थी।

### सीएम ने औपिठी व आइपीडी शुरू करने के लिए निर्देश

गोरखपुर : अखिल भारतीय आधुनिक सन्धान पम्प की निदेशक प्रो. सुरेखा केशवरी ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाक़ात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को पम्प के निर्माण की प्रगति की जानकारी दी। निदेशक ने उन्हें बताया कि कोरोना के बढ़ते पम्प के निर्माण कार्य की गति सीधी हो गई है। क्षतिरहित के दौरान मुख्यमंत्री ने निदेशक को औपिठी के साथ इनक्रेडिबल डिस्टेंस (आइपीडी) को शुरू करने का भी निर्देश दिया, जिससे इलाज गोरखपुर में ही मिल सके, इसके लिए बड़े शहरी की सहाय देवनी पड़े। मुख्यमंत्री ने डॉ. सुरेखा को आश्वस्त किया कि पम्प निर्माण में किसी तरह की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी, प्रदेश सरकार हर संभव मदद करेगी।

अब तक 33,000 से भी ज्यादा नमूनों की जांच यहां हो चुकी है। इस दौरान, निदेशक डॉ. रजनीकान्त ने 'गांधी और स्वास्थ्य पुस्तक' सीएम को भेंट में की।

### सीएम ने औपिठी व आइपीडी शुरू करने के लिए निर्देश

गोरखपुर : अखिल भारतीय आधुनिक सन्धान पम्प की निदेशक प्रो. सुरेखा केशवरी ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाक़ात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को पम्प के निर्माण की प्रगति की जानकारी दी। निदेशक ने उन्हें बताया कि कोरोना के बढ़ते पम्प के निर्माण कार्य की गति सीधी हो गई है। क्षतिरहित के दौरान मुख्यमंत्री ने निदेशक को औपिठी के साथ इनक्रेडिबल डिस्टेंस (आइपीडी) को शुरू करने का भी निर्देश दिया, जिससे इलाज गोरखपुर में ही मिल सके, इसके लिए बड़े शहरी की सहाय देवनी पड़े। मुख्यमंत्री ने डॉ. सुरेखा को आश्वस्त किया कि पम्प निर्माण में किसी तरह की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी, प्रदेश सरकार हर संभव मदद करेगी।

अब तक 33,000 से भी ज्यादा नमूनों की जांच यहां हो चुकी है। इस दौरान, निदेशक डॉ. रजनीकान्त ने 'गांधी और स्वास्थ्य पुस्तक' सीएम को भेंट में की।



BSL-2 plus lab at ICMR-RMRC, Gorakhpur